हिन्दी साप्ताहिक

भविष्य दर्पण

दर्पण की तरह निष्पक्ष खबरें

RNI.MPHIN /2020/79479

www.bhavishydarpannews.com

Email-bhavishydarpannews@gmail.com

वर्ष : 04 अंक: 27 (प्रति शुक्रवार को जारी) उज्जैन, शुक्रवार, दिनांक-08 दिसम्बर से 14 दिसम्बर 2023 तक कुल पृष्ठ: 8 कीमत : 2/- रुपया

आलोट का मन चिंतामणि

की तर्ज पर ऐतिहासिक विजय....

चिंतामणि शामिल हुए टॉप 10 लिस्ट में

उज्जैन (भविष्य दर्पण न्यूज़ नेटवर्क)। आलोट विधानसभा के क्षेत्र क्रमांक 223 में भाजपा के चिंतामणि मालवीय की उज्जैन संभाग की ऐतिहासिक विजय हुई। यहां चिंतामणि मालवीय का मुकाबला निर्दलीय उम्मीदवार **प्रेमचंद गुड्डू के साथ व कांग्रेस के विधायक मनोज चावला से था! आलोट विधानसभा की जनता ने तो पूर्व में ही अपना मन बना लिया था जिसके चलते चिंतामणि मालवीय के चुनाव प्रचार में भी यही गीत धूम मचा रहा था आलोट का मन चिंतामणि। भाजपा का गड़ कहे जाने वाले आलोट विधानसभा में इस बार लाडली बहना ने भी पूरी ईमानदारी के साथ मामा व मोदी के चेहरे को मतदान देते वक्त याद रखा वही सनातन धर्म वाला मुद्दा भी इस चुनाव में हावी रहा।**

आलोट विधानसभा में खास बात यह भी रही की भाजपा से कोई दागी उम्मीदवार मैदान में नही था वही कांग्रेस की लोठिया डुबाने निर्दलीय प्रत्याशी प्रेमचंद गुड्डू ने पूरी ताकत लगा दी।मगर जनता का मन पहले से ही चिंतामन था। निर्दलीय प्रत्याशी प्रेमचंद गुड्डू के समर्थक सोशल मीडिया ही नहीं प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से भी अपने उम्मीदवार के जीतने के ताल ठोक रहे थे! गुड्डू को आलोट के साथ ही उनकी पुत्री सांवेर से कांग्रेस की प्रत्याशी रीना बोराशी को भी जनता ने बुरी तरह से नकार दिया बोरासी वहा भी करीब 60000 मतों से भी ज्यादा से हारी याने गुड्डू के किस्मत में पूर्व विधानसभा में भी 2018 में कांग्रेस छोड़ भाजपा में शरण ली थी वहा भी हार का सामना करना पड़ा था ओर यहां भी उन्हें बुरी तरह से हार का सामना करना पड़ा । चिंतामणि मालवीय की लिड इतनी थी कि कांग्रेस प्रत्याशी मनोज चावला जो शुरू में ही गुड्डू के आने से उन्हें अहसास हो गया था की बहुत कठिन हे डगर..अगर चावला व गुड्डू के वोटो को जोड़ कर देखते है तो ऐसा प्रतीत होता की अगर दोनो में से कोई एक भी होता तो इस बार आलोट के मन को तनिक भी विचलित नहीं कर पाते।

मुगालते हुये खत्म

विधायक चावला से नाराज लोगों ने निर्दलीय प्रत्याशी प्रेमचंद गुड्डू को अति-आत्मिश्वास दे दिया था। निर्दलीय प्रत्याशी प्रेमचंद गुड्डू का भी मानना था कि दोनो प्रमुख दल इस बार प्रदेश में सरकार नही बना पाएगी दोनो प्रमुख दल भाजपा व कांग्रेस 100 व 95 के आसपास सिमट कर रह जायेगी ओर हम निर्दलीय की भूमिका प्रदेश में सरकार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे ।

आतिशबाजी के साथ दिवाली मनी...

जैसे ही आलोट विधानसभा में रुझान शुरू हुवा पहले राउंड से ही बड़त का सिलसिला शुरू हुआ तो 19 राउंड तक जाते जाते 68884 मतों पर जाकर रुका। मालवीय को टोटल 106762 मत मिले। ऐसे में नगर में आतिशबाजी शुरू हुई साथ ही कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई बांट कर खुशी का इजहार किया इस बार भीतरघात को लेकर चल रहा संशय भी नही लगता बड़ावदा मंडल से जो लिड मिली इससे लगता की कार्यकर्ताओं ने कमल खिलाने में पूरा योगदान शत प्रतिशत दिया। विधानसभा क्षेत्र की जनता को आलोट विधानसभा क्षेत्र का भविष्य एवं विकास चिंतामणि मालवीय में नजर आया जिसके चलते चिंतामणि मालवीय को ऐतिहासिक मतों से विजय श्री दिलाकर विधानसभा पहुंचा दिया इसी के साथ निर्दलीय उम्मीदवार प्रेमचंद गुड्डू व कांग्रेस प्रत्याशी अपनी जमानत बचाने में कामयाब रहे। भाजपा व कांग्रेस प्रत्याशी दोनो ने मीडिया से आलोट विधानसभा की जनता का आभार माना वही मालवीय ने कार्यकर्ताओं को जीत की बधाई दी।

उज्जैन संभाग की सबसे बड़ी जीत, आलोट से डॉ चिंतामणि मालवीय की रही..।

मालवीय ने पहले लोकसभा चुनाव में प्रेमचंद गुड्डु को हराया था। अब गुड्डू विधानसभा चुनाव में निर्दलीय हारे वो भी मालवीय के सामने हारे उच्च शिक्षित बलाई समाज के बड़े नेता के रूप में पीएचडी शिक्षित डॉ चिंतामणि मालवीय एक शिक्षक रहे पहली बार उज्जैन के सांसद बने और अब पहली बार के विद्यायक बनकर उज्जैन संभाग में सबसे बड़ी जीत दर्ज करने वाले नेता के रूप में पहचान बनाने में कामयाबी हासिल की। सत्यनारायण जटिया,थावरचंद गहलोत के बाद भाजपा को एक साफ सुथरा चेहरा मालवीय के रूप भाजपा को उज्जैन संभाग में मिला है। उज्जैन के कॉलेज में प्रोफेसर रहते हुए,पहली बार लोकसभा टिकट मिला तो लोग अचंभे थे संघ कोटे से आए प्रो चिंतामणि मालवीय ने अब आलोट से विधानसभा का टिकट लाने में कामयाब रहे संभाग में ज्यादातर हरिजन सीटे है। उम्र दराज हो रहे दलित नेता थावरचंद गेहलोत और सत्यनारायण जटिया जगदीश देवड़ा के बाद पार्टी को नया चेहरा मिला है दोनों नेताओं के विकल्प के रूप में देखा जा रहा हैं।

सम्पादकीय

विधायक बनते ही दिन दुगनी रात चौगुनी बढ़ने लगती है सम्पत्ति

शुभम परमार

भले ही राजनैतिक दल सियासत को सेवा का माध्यम बताते -बताते नहीं थकते हैं, लेकिन वास्तविकता इससे अलग है। यह हम नहीं कह रहे हैं बल्कि उन्हें मिलने वाली सुविधाओं पर सरकारी खजाने से खर्च की जाने वाली राशि से इसका पता चलता है। इसके बाद भी माननीय अपने वेतन भत्तों को लेकर खुश नजर नहीं आते हैं, बल्कि मौका मिलते ही वे वेतन भत्तों में वृद्धि करने की मांग करने में भी पीछे नहीं रहते हैं। अगर कोई भी नेता एक बार विधायक बन जाए तो फिर उसे जिंदगी भर के लिए आर्थिक तंगी से मुक्ति मिल जाती है। अहम बात यह है कि कई दशकों तक सरकारी नौकरी करने वाले कर्मचारियों को भले ही पेंशन न मिले, लेकिन पूर्व हो चुके माननीयों को न केवल ता उम्र पेंशन का प्रावधान है, बल्कि उसमें वृद्धि का भी प्रावधान है। यानी की हर बार विधायक बनने के बाद उनकी पेंशन में भी वृद्धि होती जाती है। जब मौजूदा माननीयों व पूर्व माननीयों की बात आती है, तो सरकारी खजाने पर उनकी सुविधाओं पर आने वाले भार की इक्षचता सरकार की समाप्त हो जाती है। प्रदेश में विधायक को प्रतिमाह एक लाख 10 हजार सैलरी और विभिन्न भत्तों के रूप में मिलते हैं। इसके अलावा आवास, ट्रेन और हवाई यात्रा में छूट के साथ ही वाहन, मकान आदि खरीदने में भी रियायत दी जाती है। इसी तरह से प्रदेश में कैबिनेट मंत्रियों को करीब 1 लाख 70 हजार और राज्य मंत्रियों को एक लाख 50 हजार प्रतिमाह मिलता है। इन्हें कार और अन्य सुविधाएं अलग से मिलती हैं। मुख्यमंत्री को प्रतिमाह दो लाख मिलते हैं। इसके अलावा विधानसभा अध्यक्ष को 1 लाख 87 हजार रुपये मासिक वेतन मिलता है। इस तरह हर महीने यह खर्च करीब 2 करोड़ 14 लाख रुपए आता है। रिटायरमेंट के बाद कम से कम 25 हजार रुपए मासिक आजीवन पेंशन मिलती है।

तीन तीन तरह की पेंशन

एक नेता विधायक चुना जाए तो विधानसभा से पेंशन। फिर सांसद चुन लिया जाए तो संसद से पेंशन और यदि उसे मीसा एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया था तो मीसाबंदी की पेंशन। मध्यप्रदेश में कई नेताओं को 3-3 प्रकार की पेंशन मिल रही है।

हर माह मिलने वाली राशि

प्रदेश में विधायकों को वेतन के रूप में हर माह 30 हजार, निर्वाचन क्षेत्र भत्ता 35 हजार, चकित्सा भत्ता 10 हजार, कंप्यूटर ऑपरेटर भत्ता15 हजार, लेखन सामग्री और डाक भत्ता-10 हजार रुपए और अन्य भत्ता 10 हजार मिलता है। इस तरह से कुल वेतन भत्ता 1 लाख 10 हजार रुपए होता है।

हर साल पूर्व विधायकों की यात्रा पर खर्च हो रहा एक करोड़

सरकार व आपके द्वारा चुने हुए विधायक आपका व पेंशनरों का कितना ध्यान रख रहे इसका खुलासा आरटीआई से हुआ है। प्रदेश में कोविड के बाद से रेलवे ने 60 साल से अधिक उम्र के लोगों के साथ स्टूडेंट व खिलाडियों को यात्रा के दौरान टिकट खरीदने पर मिलने वाली राहत बंद कर रखी है, लेकिन पूर्व विधायकों के लिए रेलवे सेवा पर खर्च बंद नहीं किया है। 5 साल में पूर्व विधायकों के रेलवे सफर पर मप्र सरकार द्वारा करीब 5 करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं। यानि की प्रदेश सरकार ने पूर्व विधायकों की रेलवे यात्रा पर पांच साल में प्रतिवर्ष औसतन 1 करोड़ खर्च किया। कोविड के पहले यात्रा करते समय रेलवे द्वारा 60 साल से अधिक उम्र वाले पुरुष को 40 एवं 60 साल से अधिक उम्र की महिला को टिकट में 50 फीसदी की राहत दी जाती थी। इसी तरह स्टूडेंट को 25 से 50 एवं खिलाडियों को उनके प्रमाण-पत्र व उपलब्धियों के आधार पर 20 से 50 फीसदी तक रेलवे टिकट में रियायत दी जाती थी। कोविड के बाद से सरकार व रेलवे ने सभी तरह की राहत बंद कर दी।

हिंदी पट्टी के राज्यों को 'गौमूत्र राज्य' की संज्ञा देना राजनीतिक बौखलाहट है

गाय न केवल भारत की सनातन परम्परा बल्कि आम जनजीवन में आस्था का सर्वोच्च केन्द्र है। भारतीय गोवंश को माता का दर्जा दिया गया है इसलिए उन्हें 'गौमाता' कहते है, हमारे शास्त्रों में गाय को पूजनीय बताया गया है। हमारी माताएं बहनें रोटी बनाती हैं तो सबसे पहली रोटी गाय को ही देती हैं। तीन राज्यों- राजस्थान, मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक एवं शानदार जीत से इंडिया गठबंधन के विभिन्न राजनीतिक दलों एवं उनके नेताओं की बौखलाहट बढ़ती जा रही है। इसी बौखलाहट का नतीजा है तमिलनाडु की सत्ताधारी दल डीएमके पार्टी के सांसद डीएनवी सेंथिलकुमार के द्वारा संसद में हिंदी पट्टी के राज्यों को 'गौमूत्र राज्य' की संज्ञा देना। उनके ऐसा बोलते ही संसद से लेकर बाहर के राजनीतिक गलियारों में हंगामा खड़ा हो गया। भाजपा ने सेंथिलकुमार के इस बयान का विरोध किया तो सांसद ने माफी मांग ली और लोकसभा की कार्यवाही से उनका बयान अब हटा दिया गया है। साथ ही कांग्रेस ने भी उनके इस बयान से पल्ला झाड़ लिया है। राजनीतिक स्वार्थों एवं संकीर्णताओं के चलते भारत की हजारों साल पुरानी संस्कृति एवं परम्परा को धुंधलाने एवं झुठलाने के ये षड्यंत्र राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता की बड़ी बाधा है।

गाय न केवल भारत की सनातन परम्परा बल्कि आम जनजीवन में आस्था का सर्वोच्च केन्द्र है। भारतीय गोवंश को माता का दर्जा दिया गया है इसलिए उन्हें 'गौमाता' कहते है, हमारे शास्त्रों में गाय को पूजनीय बताया गया है। हमारी माताएं बहनें रोटी बनाती हैं तो सबसे पहली रोटी गाय को ही देती हैं। गाय का दूध अमृत तुल्य होता है। न केवल गाय का दूध बल्कि समस्त गौ-उत्पाद भी अमूल्य है। इन दिव्य अमृत पंचगव्य का उपयोग यज्ञ, आध्यात्मिक अनुष्ठानों, बीमारी से निजात पाने और संपूर्ण मानवता के कल्याण के लिए किया जाता है। इसलिये गौमाता को आधार बनाकर भाजपा की जीत पर हमला करने की यह कुचेष्टा न केवल मानसिक दिवालियापन है बल्कि इससे भारत की जनभावनाएं आहत एवं लहूलुहान हुई है। गौमाता पर की गयी यह टिप्पणी एक सम्पूर्ण परम्परा एवं संस्कृति को धुंधलाने की कुचेष्टा है। ऐसी कुचेष्टाएं एवं साजिशें पूर्व में भी हुई हैं। तब भी गौमाता की तरह ही सनातन धर्म पर आपत्तिजनक बयानों से देश को तोड़ने का षड्यंत्र हुआ। तब तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे और खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने विवादास्पद बयान में सनातन धर्म की तुलना डेंगी, मच्छर, मलेरिया और कोविड से करते हुए असंख्य सनातनधर्मियों की आस्था पर कुठाराघात किया था। उनकी ही पार्टी डीएमके के सांसद ए. राजा ने तो हदें ही लांघते हुए हिंदू धर्म को 'न सिर्फ भारत बल्कि पूरी दुनिया के लिए अभिशाप तक कह दिया था।' इन डीएमके नेताओं के बयानों से जब विवाद संभला नहीं तो उन्होंने सफाई दी, माफी मांग ली। अपनी कही बातों से किनारा पाने की इस बार भी पूर्व की तरह चेष्टा हुई, ये स्थितियां भारतीय राजनीति की विडम्बना एवं विसंगति है। कांग्रेस की हार का कारण ऐसी विसंगतियां ही बनती रही हैं। प्रश्न है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी क्या उत्तर भारतीयों के खिलाफ अपने सहयोगी दल के अपमानजनक बयानों से सहमत हैं? तीन राज्यों में से दो राज्यों- राजस्थान एवं छत्तीसगढ़ में ही इन चुनावों से पहले उसी की सरकारें थीं। क्या हिन्दी राज्यों का अपमान एवं तिरस्कार करते हुए कांग्रेस आगे बढ़ने की सोच भी सकती है? कांग्रेस कब तक देश को विघटित करने की राजनीति करती रहेगी? क्योंकि कांग्रेस के दबदबे वाली इंडिया गठबंधन में भी डीएमके एक अहम साझेदार है।

उत्तर भारत मे 'गौमाता' पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी से कांग्रेस को किनारा करना, उसकी सूझबूझ एवं विवेक से ज्यादा विवशता है। यही कारण है महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री मिलिंद देवड़ा ने इस टिप्पणी पर नाराजगी जताई और इसे अफसोसजनक बताया। उन्होंने खुद को सनातनी कहा है। कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने भी कहा कि डीएमके की राजनीति अलग है। कांग्रेस उनकी राजनीति से सहमत नहीं है। कांग्रेस 'सनातन धर्म' और 'गौमाता' में भी विश्वास करती है।' क्या कांग्रेस का यह विश्वास सच्चा विश्वास है या वोट हासिल करने का हथियार मात्र है। इंडिया गठबंधन से जुड़े एक खास दल ने सनातनी परंपरा एवं हिन्दू भाषी राज्यों का बहुत बड़ा निरादर किया है। सनातनी परंपरा, सनातनियों एवं हिन्दू राज्यों का इस तरह का अपमान देश कैसे बर्दाश्त करेगा? निश्चित ही देश की आस्था के साथ खिलवाड़ करने वाले दलों एवं नेताओं को जनता मुंहतोड़ जवाब देती है और देती रहेगी। आखिर सवाल यह भी है कि हिंदी या हिंदी भाषी राज्यों के विरोध में डीएमके पार्टी एवं उसके नेता किस हद तक गिरेंगे। हिंदी भाषी राज्यों को लेकर मन में यह दुराग्रह से आखिर क्या हासिल होने वाला है। इससे फायदे की जगह नुकसान ही होता है। डीएमके नेता सीधे-सीधे हिंदी भाषी प्रांतों में रहने वाले लोगों का अपमान कर रहे हैं। भाजपा की जीत जनभावनाओं की जीत है और जीत का यह विजय रथ हिन्दी भाषी राज्यों के साथ-साथ दक्षिण भारत में भी विजय-पताका फहराते हुए आगे बढ़ रहा है। तेलगांना में भाजपा एक सीट से 8 तक आगे बढ़ी है, केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में भाजपा अपने होने का अहसास करा रही है, कोई आश्चर्य नहीं कि वहां पैर जमाते हुए भाजपा की सरकारें भी बनने लगें। कर्नाटक में तो उसने लम्बे समय तक शासन किया है। तीन राज्यों की ऐतिहासिक जीत से भाजपा का मनोबल जहां बढ़ा है वहीं इंडिया गठबंधन एवं कांग्रेस का मनोबल गिरा है। भाजपा एवं मोदी की सोच, नीतियां, योजनाएं एवं दृष्टिकोण की जीत पर विपक्षी दलों की ये ओछी प्रतिक्रियाएं उसे अधिक बलशाली ही बनायेगी। आदिवासी विकास का संकल्प, महिलाओं की भूमिका और 33 प्रतिशत आरक्षण का आश्वासन, समान नागरिक संहिता, सांस्कृतिक मूल्यों का विकास, युवाओं के लिये रोजगार, विश्वगुरु बनाने की कार्ययोजना, देश की सुरक्षा एवं साख जैसे गंभीर मुद्दों पर सार्थक उपक्रम का मोदी ही दम रखते जान पड़ते हैं। देश को आगे बढ़ाना है तो तुष्टीकरण, धर्म एवं संस्कृति को आहत करने की विकृत मानसिकता और भ्रष्टाचार से मुक्त होना आवश्यक है। मोदी ही गारण्टी की गारण्टी है, लेकिन इसमें अहंकार नहीं है, मोदी ने अपनी जगह पार्टी एवं देश की जनता को ही प्रमुखता दी, देश की जनता को हमेशा आगे रखा है। उन्होंने चुनावी सभाओं में साफ कहा कि पार्टी का चेहरा कोई व्यक्ति नहीं, बल्कि कमल का फूल है, साफ-सुथरी नीतियां हैं, देश को सशक्त बनाने का संकल्प है। निश्चित ही इस बार के चुनाव परिणाम सनातन भारत को मजबूती देने वाले हैं, सनातन का अर्थ सच्चा भारत, सच्ची मानवीयता एवं उदात्त जीवन मूल्य। यही कारण है कि इसी सनातन के शिखर गौमाता को आधार बनाकर डीएमके पार्टी ने अपनी बौखलाहट को उजागर कर राजनीतिक अपरिपक्वता को दर्शाया है।

भारतीय न्याय व्यवस्था ने भी समय-समय पर ऐसे विवादास्पद एवं आपत्तिजनक मामलों में कहा है कि जब धर्म एवं आस्था को लेकर कोई टिप्पणी की जाती है तो उसमें ध्यान रखना चाहिए कि उससे किसी की भावनाएं आहत नहीं होनी चाहिए। संविधान में बोलने की आजादी मिली हुई है लेकिन बोलने की आजादी नफरत में नहीं बदलनी चाहिए। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता घृणित भाषण नहीं हो सकती। यदि इसे नजरंदाज किया जाता है तो किसी भी बहस की दिशा पटरी से उतर जाएगी और इसके पीछे का उद्देश्य अपना महत्व खो देगा। अभियव्यक्ति की स्वतंत्रता निष्पक्ष और स्वस्थ सार्वजनिक बहसों को प्रोत्साहित करती है तो इससे समाज को आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। गौमाता एवं सनातन धर्म पर विवाद निरर्थक है। वोट बैंक एवं तथाकथित राजनीति स्वार्थों के लिए आक्रामक भाषा का इस्तेमाल देश के लिए घातक है। इस तरह के आधारहीन विवादों को उछालने वाले डीएमके पार्टी जैसे राजनीतिक दल एवं नेता उजालों पर कालिख पोतने का ही प्रयास करते हैं। इस प्रकार की उद्देश्यहीन, उच्छृंखल, विध्वंसात्मक सोच से किसी का हित सधता हो, ऐसा प्रतीत नहीं होता। ऐसा प्रतीत होता है कि ऐसे समाज एवं राष्ट्र को तोड़ने वाली कुचेष्टाएं करने वालों की आंखों में किरणें आंज दी जाएं तो भी वे यथार्थ को नहीं देख पाते। क्योंकि उन्हें उजाले के नाम से एलर्जी है। तरस आता है समाज में बिखराव करने वाले ऐसे लोगों की बुद्धि पर, जो सूरज के उजाले पर कालिख पोतने का असफल प्रयास करते हैं, आकाश में पैबन्द लगाना चाहते हैं और सछिद्र नाव पर सवार होकर सागर की यात्रा करना चाहते हैं।

सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टि से शहर के विभिन्न क्षेत्रों में किया गया फ्लैग मार्च

शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु पुलिस/प्रशासन के प्रयास जारी

उज्जैन (भविष्य दर्पण न्यूज नेटवर्क)। शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु आज दिनांक 07-12-23 को उज्जैन पुलिस द्वारा फ्लैग मार्च निकाला गया।फ्लैग मार्च अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में शहर के समस्त नगर पुलिस अधीक्षक/उप पुलिस अधीक्षक गण तथा समस्त थाना प्रभारीगण थाने के बल के साथ एवं रक्षित निरीक्षक जिला पुलिस लाईन एवम विशेष सशस्त्र बल के साथ मौजूद रहे।

ब्रीफिंग पश्चात शासकीय वाहनों का बड़ा काफिला फ्लैग मार्च के रूप में कंट्रोल रूम से प्रारम्भ होकर एलआईसी तिराहा ऑफिसर मेस तिराहा तीन बत्ती चौराहा - टावर चौक शहीद पार्क घास मण्डी चौराहा सेठी नगर चौराहा गोपालपुरा -पाण्ड्याखेडी चौराहा उद्योगपुरी पाईप फैक्ट्री चौराहा नागझिरी भरतपुरी यातायात थाना ट्रेजर बाजार नानाखेडा चौराहा दो तालाब सिंधी कॉलोनी तिराहा कवेलु कारखाना चौराहा - हरिफाटक चौराहा- बेगमबाग कोट मोहल्ला चौराहा - गोपाल मंदिर केडी गेट- भार्गव तिराहा खजूरवाली मस्जिद- नई सडक- कंठाल चौराहा- फव्वारा चौक - दौलतगंज - मालीपुरा- देवासगेट- चामुण्डा चौराहा कायला फाटक चौराहा बीमा चौराहा-मंडी तिराहा मकोडिया आम- नाका -मंडी तिराहा - पाण्ड्याखेडी चौराहा मक्सी रोड- गोपाल पुरा कंट्रोलरूम पर समाप्त हुआ। आमजन की सुरक्षा हेतु यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने हेतु प्रतिदिन वाहन चैकिंग एवम् कांबिंग गश्त कर गुंडे/ बदमाश/ जिलाबदर/ हिस्ट्रीशीटर आदि को चैक किया जा रहा है तथा असामाजिक तत्वों के विरुद्ध उचित कार्यवाही जारी है।

उज्जैन में गैंगवार, सोशल मीडिया पर दी धमकी

दुर्लभ कश्यप गैंग से जुड़े बदमाशों ने चलाई गोली

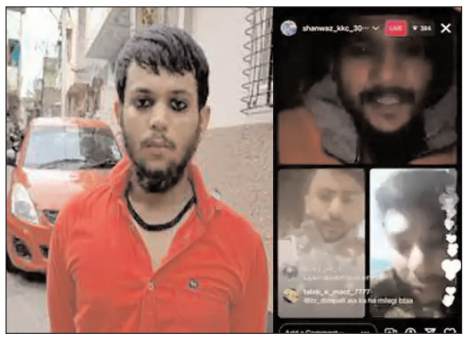

उज्जैन। उज्जैन जैसे धार्मिक शहर में एक बार फिर गैंगवार में गोली बारी हुई है। शहर के नानाखेड़ा थाने से कुछ ही दुरी पर दुर्लभ कश्यप गैंग के गुर्गो ने दुर्लभ की हत्या के आरोपी पर गोली चलाई है। हालांकि, वो बाल-बाल बच गया। लेकिन इस घटना से शहर में एक बार फिर गैंगवार होने की आशंका लग रही है। पुलिस ने मामले में 11 लोगों पर प्रकरण दर्ज किया है।

दुर्लभ कश्यप की हत्या भले ही तीन वर्ष पहले हो चुकी हो लेकिन सोशल मीडिया की गेंग अभी भी एक्टिव है और दोनों ही गेंग के सदस्य एक दूसरे को धमकाते रहते है और इसी वजह से गैंगवार सामने आई है। कम उम्र में गेंग बनाकर सोशल मीडिया पर रंगदारी करने वाले दुर्लभ कश्यप की हत्या तीन साल पहले हो चुकी है।

आज भी कई युवा उसके बहके हुए कदम पर चल रहे है। गैंगवार में तीन साल पहले मारे गए बदमाश दुर्लभ कश्यप की हत्या के आरोपी शहनवाज व उसके साथियों पर कोर्ट पेशी से लौटते समय दुर्लभ गैंग ने हमला कर दिया। शाहनवाज नीलगंगा थाना क्षेत्र के प्रकरण में साले रमीज व दोस्त के साथ कोर्ट में गवाही के लिए गया था। दुर्लभ के साथियों ने कुछ दिन पहले ही उसे धमकी दी कि बदला लेंगे।पेशी से घर जाते समय दुर्लभ की गैंग के एक दर्जन बदमाश पीछे लग गए व नानाखेड़ा क्षेत्र में पेट्रोल पंप के समीप उनकी कार पर फायर कर दिया। गोली चलते ही शहनवाज व उसके साथी कार से उतरकर समीप ही थाने पर पहुंचकर जान बचाई। एडिशनल एसपी गुरुप्रसाद पराशर ने बताया कि पुलिस ने फरियादी शाहनवाज निवासी जांसापुरा की रिपोर्ट पर दुर्लभ गैंग के रोशन शर्मा, शानू बना, अभिषेक शर्मा, बाबू टायर, पीयू बाक्सर, अभिषेक वाल्मीक, सूर्या उर्फ यश सोदे, साजन परमार, शुभम महावर, सचिन वर्मा, नीलू संगत के खिलाफ हत्या के प्रयास की धारा में केस दर्ज किया है। घटना के बाद पुलिस ने कुछ को हिरासत में भी ले लिया।

सोशल मीडिया पर एक-दूसरे को धमकी-दुर्लभ गैंग से जुड़े डोरेमन ने साल 2021 में खाक चौक मार्ग पर शहनवाज के साथी सलमाल को दौड़ा-दौड़ा कर चाकू मारे थे। इसके बाद साल 2022 में भी दुर्लभ गैंग का जांसापुरा के लड़कों से चामुंडा माता मंदिर के समीप विवाद हुआ था इसके बाद साल 2023 में ये चौथी घटना है। हैलावाड़ी के लड़कों ने केसीसी नाम से सोशल साइट पर ग्रुप बनाया हुआ है और दोनों पक्षों के बीच आए दिन ऑनलाइन धमकियों का दौर चलता है। सोशल वीडियो पर एक दूसरे को धमकी देने के वीडियो भी वायरल हुआ है। जिसमे दोनी गेंग के युवक एक दूसरे को धमकिया दे रहे है। ख़ास बात ये की देर रात को युवक बाइक पर सवार होकर वीडियो बनाते हुए ढकी दे रह है। स्टंट कर रहे है लेकिन उन्हें रोकने वाले पुलिस शहर से गायब है।

उज्जैन में तापमान में गिरावट, अगले 3 से 4 दिन बारिश के आसार

उज्जैन। उज्जैन में पिछले दिनों हुई बारिश के बाद से लगातार मौसम में ठंडक बनी हुई है। गुरुवार सुबह शहर में धुंध छाई रही। ड्रोन से लिए गए वीडियो में आसमान से शहर कोहरे की चादर में लिपटा हुआ दिखाई दिया। शहर में सुबह से बादल होने की वजह से लोग गर्म कपड़ों के सहारे घर से बाहर निकले। सुबह टहलने जाने वाले लोगों सहित अन्य कामकाजी लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई जगह ठंड से निजात पाने के लिए बुजुर्गों ने अलाव का सहारा लिया और सुबह से अलाव जलाकर शरीर को गर्म करते दिखे। हालांकि बादलों के कारण तापमान में ज्यादा गिरावट नहीं है। सुबह घूमने वाले लोग भी ठंड से बचाव करते नजर आए

शासकीय जीवाजी वेधशाला के अधीक्षक डॉ. आरपी गुप्त का कहना है कि अभी उत्तरी हवा का दौर शुरू नहीं हुआ है। कोहरा और बादल छाए रहने की स्थिति 8 दिसंबर तक रहेगी। उत्तर की ओर से हवा चलने के बाद बादल छंटना शुरू होंगे। इस दौरान हवा से ठंड भी तेज होगी। तीन चार दिन में कहीं - कहीं हल्की बारिश की संभावना है। बादल होने से तापमान में भी ज्यादा कमी नही हो रही है। वेधशाला में दर्ज तापमान की स्थिति देखें तो चार दिन में 7.5 डिग्री तापमान कम हो गया। 3 दिसंबर को अधिकतम 29.5 और न्यूनतम 19 डिग्री था ,6 दिसंबर को अधिकतम 22 डिग्री और न्यूनतम 17 डिग्री पर पहुंच गया।

सोनकच्छ के विकास और सोनकच्छ के सम्मान का नया दौर शुरू- डॉ राजेश सोनकर

सज्जन वर्मा को प्रचंड बहुमत से हराने के बाद सोनकच्छ क्षेत्र में निकली आभार रैली

सोनकच्छ (तरुण शर्मा)। विधानसभा में कांग्रेस विधायक का एक छत्र राज को समाप्त कर भाजपा ने कांग्रेस का अभेध किला ढहा दिया है। भाजपा इंदौर के ग्रामीण जिला अध्यक्ष रहे डॉ राजेश सोनकर द्वारा सोनकच्छ विधानसभा की अब तक की सबसे बड़ी जीत हासिल की है। उन्होंने कांग्रेस के कद्दावर नेता व पूर्व मंत्री सज्जनसिंह वर्मा को 25 हजार 437 मतों से हरा दिया। चुनाव जीतने के बाद सोनकर ने सोमवार को देर शाम क्षेत्र में आभार रैली निकाली। सोनकर का नगरवासियों ने जमकर स्वागत किया। कई जगहों पर विधायक का तुलादान भी किया। आभार रैली में दो जेसीबी भी पीछे चल रही थी। जेसीबी से पुष्पवर्षा भी की गई। सोनकर ने मतदाताओं का आभार मानते हुए घुटने के बल हाथ जोड़कर अभिवादन किया। सोनकर ने कहा कि, यह जीत मेरी नही है यह सोनकच्छ की विकास से वंचित जनता की जीत है। 38 साल से जो छल इस विस की जनता के साथ हुआ है उसे धोने के लिए भाजपा

नेतृत्व ने मुझे सोनकच्छ भेजा है और सोनकच्छ की जनता ने प्रचंड बहुमत देकर मुझे भोपाल सदन में भेजा है। मैं जनसम्पर्क के दौरान क्षेत्र के विभिन्न गावों में गया देखा तो विकास के नाम पर कुछ नही है।

मैं विश्वास दिलाता हूं मेरे जमानतदारों को कि, विश्वास रखना कि 5 साल में सोनकच्छ विस में विकास ही विकास होगा। और मैं उन अधिकारियों को चेतावनी देता हूं कि, भैयाजी (सज्जन) के आदेश का पालन करते थे, या उन्हें उनसे ज्यादा प्रेम है उन अधिकारियों को सोनकच्छ में रहने की जगह नहीं मिलेगी। सोनकच्छ के किसी दफ्तर में आम आदमी काम कराने जाता है तो उससे रुपए की मांग की जाती है। अब ये नही चलेगा। जब कोई आदमी थाने पर आवेदन निवेदन लेकर जाता है तो उससे साइड में ले जाकर जो रुपए की बात होती है ये मांडवली अब नही चलेगी। सभा को पूर्व जिला अध्यक्ष अजय सिंह बघेल, विधानसभा प्रभारी राजेश यादव, बहादुर सिंह पिलवानी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष नरेंद्र सिंह राजपूत, मंडल अध्यक्ष राजेंद्र सिंह राजपूत, तेजसिंह बघेल, सहित अन्य नेताओं ने भी सम्बोधित किया। सभा का संचालन प्रदेश भाजपा मंत्री महेश पाटीदार द्वारा किया गया।भाजपा जिला उपाध्यक्ष निरंजन सिंह सेंगर, नवनीत गुप्ता, जितेन्द्र सिंह सेंधव, हरेन्द सिंह पिलवानी मंडल अध्यक्ष, नपं उपाध्यक्ष प्रीतम सिंह बघेल मंचासीन थे। इस के पूर्व विधायक सोनकर के विजय जुलूस का स्थानीय बस स्टैंड पर सर्व ब्राह्मण समाज द्वारा, जनपद पंचायत सदस्य महेंद्र सिंह यादव,महेश यादव पार्षद, बजरंग चौराहा पर धर्मेन्द्र जाधव, रवि बोरीवाल,रुपेश कौशल, राहुल पुरोहित, मिक्की छाबड़ा, गोपाल भावसार, शैलेन्द्र चावड़ा द्वारा, खत्री परिवार से तरुण खत्री, मनीष खत्री, द्वारा अभिषेक बाकलीवाल, बाबू पाटनी, प्रफुल्ल शर्मा, हेमंत पाटीदार द्वारा, मंडी व्यापारी संघ द्वारा अल्पसंख्यक मोर्चा द्वारा, महाराणा प्रताप चौराहा पर प्रीतमसिंह बघेल मित्र मंडल द्वारा भव्य स्वागत किया गया। विजय जुलूस में नगर सहित ग्रामीण क्षेत्र से भी भाजपा समर्थक आएं थे।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥
श्री शनि स्टार फायनेंस

किसान क्रेडिट कार्ड (KCC)
1. पात्ती की कापी
2. खसरा बी – 1, बी– 2
3. जमीन का नक्शा (चतुसीमा)
4. पंचायत का लिखा – स्थाई प्रमाण पत्र
5. 8 कलर फोटो, आधार कार्ड परिचय पत्र
7. राशन कार्ड/ बिजली का बिल

ग्रामीण क्षेत्र के लिए
1. हाऊस टेक्स रसीद
2. बिजली का बिल / टेलीफोन बिल /गैस की डायरी
3. पेनकार्ड /आधार /वोटर /लाईसेंस की कॉपी
4. 2 कलर फोटो(पति पत्नि)
5. बैंक पास बुक की फोटो कॉपी
6. दुध का बिल/ डायरी /दुकान का बिल

होम लोन
1. रजिस्ट्री
2. नक्शा
3. नामांतरण
4. हाऊस टेक्स स्सीद
5. बिजली का बिल/ टेलीफोन बिल
6. पेन कार्ड
7. आधार कार्ड, परिचय पत्र, लाईसेंस की कापी
8. 2 कलर फोटो
9. एक वर्ष का बैंक स्टेटमेंट
10. पहले से अगर कोई लोन चल रहा हो तो उसका स्टेटमेंट

बिजनेस लोन
1. 3 साल के रिटर्न
2. गुमाश्ता
3. आधार कार्ड
4. राशन कार्ड
5. पहचान पत्र
6. बिजली का बिल
7. दो कलर फोटो
8. दो परिचित लोगो के नाम
9. बैंक स्टेटमेंट (एक वर्ष का)

पर्सनल लोन
1. 3 माह की वेतन पर्ची (नौकरी वालो)
2. पेन कार्ड की कॉपी
3. आधार कार्ड
4. बिजली बिल की कॉपी
5. फार्म नं. 16(1.5 लाख से ऊपर के लिये)
6. छ माह का बैंक स्टेटमेंट
7. परिचय पत्र / राशन कार्ड

शुभम परमार – मो. 9589177176

इमली तिराहा से लेकर केडी गेट चौड़ीकरण मार्ग पर रहवासी स्वेच्छा से हटाएं -आयुक्त

गैलरी निगम आयुक्त द्वारा दिया गया 24 घण्टे का समय, निगम आयुक्त ने किया अधिकारियों के साथ मार्ग का निरीक्षण

उज्जैन। इमली तिराहा से केडी गेट मार्ग चौडीकरण कार्य अन्तर्गत विद्युत पोल स्थापना के मार्ग क्षैत्र में अनाधिकृत रूप से जो गैलरियां एवं छज्जे क्षेत्र के भवन स्वामियों द्वारा हटाए जाना शेष रह गई है उन्हें तथा गैलरी रोड़ क्षैत्र में निर्मित ना करने और जो गैलरियां निर्मित कर ली गई हैं उन्हें हटाने हेतु पूर्व में भी कहा गया था, किन्तु सम्बंधित भवन स्वामियों द्वारा वर्तमान स्थिति तक नहीं हटाए जाने साथ ही उक्त कार्य की अव्हेलना करने पर गुरुवार को निगम आयुक्त श्री रौशन कुमार सिंह द्वारा अधिकारियों के साथ निरीक्षण करते हुए 24 घंटे का समय दिया गया कि दी गई अवधि में स्वयं द्वारा गैलरी एवं छज्जे हटा

लिए जाए अन्यथा नगर निगम द्वारा दलबल के साथ हटाने की कार्यवाही की जाएगी जिसमें स्वयं की जवाबदारी रहेगी।

इसी के साथ उक्त चौड़ीकरण क्षेत्र अंतर्गत जो धार्मिक स्थल आ रहे हैं उन्हें भी रहवासियों से चर्चा कर आपसी सामंजस्य के साथ अन्यत्र स्थलों पर शिफ्टिंग का कार्य किया जाएगा इस हेतु भी अधिकारियों को निर्देशित किया गया एवं नाली निर्माण में जो भी अवरोध आ रहे हैं उन्हें भी तत्काल हटाए जाने की कार्रवाई करें ताकि रहवासियों को आवागमन में किसी प्रकार की समस्या ना आने पाएं।

इसी दौरान सम्बंधित भवन स्वामियों द्वारा स्वयं हटाने की बात कही गई जिसे स्वीकार करते हुए निगम अधिकारीयों द्वारा 24 घण्टे का समय दिया गया है। समय सीमा समाप्त होने के पश्चात् नगर निगम अपने अमले के साथ कार्यवाही करते हुए विद्युत पोल शिफ्टिंग एवं स्थापना में बाधक गैलरियों को हटाने की कार्यवाही करेगा। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त श्री आशीष पाठक, अधीक्षण यंत्री श्री आर.आर. जारोलिया, कार्यपालनयंत्री श्री एन.के. भास्कर, झोनल अधिकारी अधिकारी श्री मनोज राजवानी, प्रकाश विभाग से श्री जितेंद्र पाल सिंह जादौन, उपयंत्री श्री मोहित मिश्रा, आनंद भंडारी एवं संबंधित कार्य के ठेकेदार उपस्थित थे।

लोक अदालत 9 दिसम्बर को

9 दिसम्बर शनिवार को नेशनल लोक अदालत अन्तर्गत सम्पत्तिकर एवं जलकर के बकायादारों को विशेष छूट प्रदान की जा रही है। करदाता अपना बकाया कर जमा करा कर विशेष छूट का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। निगम आयुक्त रौशन कुमार सिंह ने आम करदाताओं की सुविधा के लिये समस्त झोन कार्यालयों में नेशनल लोक अदालत अन्तर्गत सम्पत्तिकर जमा कराए जाने के क्रम में विशेष व्यवस्थाएं की हैं। करदाता संपत्तिकर सम्बन्धित झोन कार्यालय में एवं जलकर चामुंण्डा माता चौराहे पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग कार्यालय मे जमा करा सकेंगे। नेशनल लोक अदालत में सम्पत्ति कर के ऐसे प्रकरण, जिनमें कर तथा अधिभार की राशि 50 हजार रूपये तक बकाया है, उनमें अधिभार में 100 प्रतिशत तक की छूट दी जायेगी।

माधव सेवा न्यास द्वारा संचालित ट्रेनिंग सेंटर के छात्र-छात्राओं को सर्टिफिकेट वितरित

डीसीए, पीजीडीसीए, बैसिक कोर्स के सर्टिफिकेट वितरित किये

उज्जैन। माधव सेवा न्यास उज्जैन द्वारा संचालित कम्प्यूटर ट्रेनिंग सेंटर के छात्र छात्राओं द्वारा डीसीए, पीजीडीसीए एवं बेसिक कम्प्यूटर कोर्स की परीक्षा पास की जिसके डिप्लोमा सर्टिफिकेट वितरित किये गये। न्यास के अध्यक्ष बलराज भट्ट और सचिव विपिन आर्य ने अध्ययनरत छात्र छात्राओं के बीच शिवगढ़ केंद्र पहुंचकर उनको उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ साथ उतीर्ण छात्र छात्राओं को सर्टीफिकेट प्रदान किये। इस अवसर पर एक समारोह आयोजित किया गया जिसमें रतलाम सेवा भारती और जन जाती क्षेत्र में सेवारत कार्यकर्ता तथा समस्त विद्यार्थी गण उपस्थित रहे। न्यास सचिव विपिन आर्य ने अपने उद्बोधन में कहा कि न्यास अपनी सेवाओं से समाज के पिछड़े, वंचित, अभावों में जीने वाले अपने ही बंधु बांधवों की सेवा के लिए दृढ़ संकल्पित है। हमारा प्रयास है कि सेवा शब्द की सार्थकता सिद्ध हो। अध्यक्ष बलराज भट्ट ने सबको शुभकामनाएँ और आशीर्वाद दिया। सेवा भारती रतलाम की तरफ से न्यास का आभार माना गया। उल्लेखनीय है कि माधव सेवा न्यास की सेवा गाथा अब सैलाना बाजना क्षेत्र के गांव

गांव पहुंच रही है। न्यास द्वारा क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के सेवा कार्यो में प्रमुख कम्प्यूटर प्रशिक्षण केंद्र शिवगढ़ जिला रतलाम में गत वर्ष से संचालित हो रहा है जिसके सुपरिणाम आने लगे है।

पीडीएस के चावल ले जा रही गाड़ी जब्त

चेकिंग के दौरान कानड़ पुलिस पकड़ा, अधिकारियों ने बनाया पंचनामा

आगर मालवा। आगर मालवा जिले के सारंगपुर रोड पर दुपाडा जोड़ से कानड़ की और आ रहे आइसर स्ब्क्ष2 त 1693 को पुलिस ने चेकिंग के दौरान रोका। जांच की तो गाड़ी मे बड़ी मात्रा मे चावल का परिवहन किया जा रहा था। वाहन चालक से माल की जानकारी और बिल्टी मांगी गई तो संतुष्टि पूर्वक जवाब नहीं दिया। इस पर पुलिस गाड़ी सहित माल को थाने ले आई।

जिला खाद्य आपूर्ति अधिकारी को पुलिस ने सूचना दी जिस पर नारायण सिंह मुवेल कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी कानड़ थाने पहुंचे और चावल की जांच की। गाड़ी मे रखी 191 बोरियों मे करीब 120 क्विंटल चावल पीडीएस मे वितरण होने वाला पाया गया। मौके पर अधिकारियो ने गाड़ी मे रखे माल का पंचनामा बनाया। कनिष्ठ खाद्य आपूर्ति अधिकारी ने बताया की फिलहाल हमने मौका पंचनामा बनाया हे। आगे की कार्रवाई के लिए अधिकारियों को अवगत करवाया जाएगा। उस के बाद पुलिस थाने में आवेदन देंगे।

आगर मालवा में यातायात पुलिस का एक्शन:नियम का पालन नही करने वाले वाहन चालकों से वसूला चालान

आगर मालवा। यातायात पुलिस ने शहर की यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए नियम का पालन नही करने वालों पर चालानी कार्रवाई शुरू कर दी है। यातायात थाने के सूबेदार जगदीश यादव ने बताया कि गुरुवार को नगर के छावनी नाका और जय स्तंभ चौराहा क्षेत्र में नो पार्किंग एरिया में वाहन खड़े वाले 5 चालकों पर चालानी कार्यवाही की। इसी के साथ मोडिफाइड साइलैंसर लगे वाहन चालकों पर भी कार्यवाही कर साइलैंसर जब्त किया गया। यातायात पुलिस ने जिले में पिछले 10 दिन में बिना हैलमेट वाहन चलाने वाले 212 दोपहिया चालकों पर कार्रवाई कर 63600 वसूले।

|| श्री टेकचंदाय नमः || || श्री गणेशाय नमः || || जय श्री महाकाल ||

42वाँ वर्ष

श्री दामोदर वंशीय जूना गुजराती दर्जी समाज नवयुवक मण्डल, उज्जैन द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर

विशाल निःशुल्क सामूहिक विवाह

का भव्य आयोजन

दिनांक 14 फरवरी 2024, बुधवार (बसंत पंचमी)

सम्मानीय स्वजातीय बंधुओं,
बड़े हर्ष के साथ सूचित किया जाता है कि श्री दामोदर वंशीय जूना गुजराती दर्जी समाज नवयुवक मण्डल उज्जैन द्वारा बसंत पंचमी को सामूहिक विवाह हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी रखा गया है। अतः स्वजातीय समाज बंधुओं से अनुरोध है कि अपने विवाह योग्य पुत्र/पुत्रियों का विवाह सम्मेलन में करें एवं खर्चीली शादी से बचे। समाजजन से अनुरोध है कि ज्यादा से ज्यादा जोड़ो का पंजीयन कराकर कार्यक्रम में पधारकर आयोजन को सफल बनावें।
शासकीय नियमानुसार विवाह योग्य बालक की उम्र 21 वर्ष, बालिका की उम्र 18 वर्ष होना अनिवार्य है। आवेदन के साथ उम्र संबंधी प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, मार्कशीट, दो फोटो पासपोर्ट साईज, समग्र आईडी संलग्न करना अति आवश्यक है।

श्री रूपेश जी परमार अध्यक्ष मो. 9424511774
शिवराज परमार सामूहिक विवाह प्रभारी मो. 9753350002
श्याम राठौर मकोड़ी सामूहिक विवाह सह प्रभारी मो. 9926429612
सचिव संतोष गोयल
कोषाध्यक्ष जयेश परमार

प्रधान कार्यालय : निःशुल्क विवाह बुकिंग हेतु 48, ब्राह्मण गली, राधा–कृष्ण मंदिर, दर्जी धर्मशाला, उज्जैन मो. 9753350002, 9039828281

मार्ग दर्शक

चतुर्भुज जी परमार, नंदराम जी गोयल, रमेशचंद्र जी सोलंकी, लक्ष्मीनाराय जी सोलंकी, चुन्नीलाल जी परमार, मनोहरलाल जी परमार, जगदीश जी पटेल, राधेश्याम जी वाघेल, ओमप्रकाश जी परमार, महादेवलाल परमार

संरक्षक अशोक चावड़ा, कनासिया
संरक्षक अशोक मकोड़िया, तराना
संरक्षक रामचन्द्र पटे, बलेड़ी
संरक्षक ओमप्रकाश सेठी, इंगोरिया
संरक्षक ओमप्रकाश परमार, नागदा
संरक्षक भरत पटेल, चंदेसरा
संरक्षक विनोद सिसौदिया, माकड़ोन
संरक्षक राधेश्याम सेठी, इंगोरिया

संरक्षक शांतिलाल परमार, कंजड़
संरक्षक कैलाश सोलंकी, झुटावद
संरक्षक कन्हैयालाल देवड़ा, ताल
संरक्षक राजमल परमार, पानबिहार
संरक्षक ईश्वर परमार, खजुरी देवड़ा
संरक्षक विजय पटेल, दर्जी कराड़िया
संरक्षक रमेशचन्द्र सोनगरा, उन्हेल
संरक्षक अशोक सोलंकी, आगर

पंजीयन के लिए सम्पर्क सूत्र

आर.के. टेलर नागझिरी मो. 9977583933
कपील परमार उज्जैन मो. 9244099004
राधेश्याम सेठी मो. 7974725558
कमलेश परमार मो. 9425162277
ओमप्रकाश सेठी मो. 9993904604
घनश्याम सोनगरा उन्हेल मो. 9827035400
महेश पंवार, उन्हेल मो. 9755121744
ओमप्रकाश परमार नागदा मो. 9340019993
गोपालकृष्ण मेहता, नागदा मो. 9111914300
अशोक सोलंकी आगर मो. 9479460400
कैलाश गेहलोत आगर मो. 8319008811
नागेश्वर गेहलोत आगर मो. 9827810720
महेश सोनगरा आगर मो. 9165595015

दुर्गाप्रसाद सोलंकी कानड़ मो. 9009272363
राधेश्याम परिहार कानड़ मो. 9752692632
ओम उमठ शाजापुर मो. 9826043862
सुनील सोलंकी शाजापुर मो. 9926074939
हुकमचन्द्र डाबी शाजापुर मो. 9826835857
महादेव चौहान शाजापुर मो. 9893434907
प्रशांत चौहान शाजापुर मो. 9300777020
गोपाल राठौर मोहन बड़ोदिया मो. 9893279245
मुकेश सोलंकी सारंगपुर मो. 9826960787
दीपक सोलंकी मो. 7909879044
ललित गोयल शुजालपुर मो. 9754321742
सूरज टेलर टोंक मो. 9993494943
कमल कृष्ण चौहान मो. 9977076296

किशोरीलाल सोलंकी देवास मो. 9981340272
दीपचन्द्र मेहता देवास मो. 9893299349
कृष्णवल्लभ डाबी इन्दौर मो. 9926677533
गिरधारीलाल परमार इन्दौर मो. 9926500168
अशोक गेहलोत इन्दौर मो. 9827503391
अशोक नायक इन्दौर मो. 9200250000
सतीश हेमावत जावरा मो. 9827223199
ईश्वर परमार, आलोट मो. 8120400811
राजेन्द्र चौहान रतलाम मो. 9827516745
दशरथ सोलंकी मंदसौर मो. 6264203182
श्याम सुन्दर मेहरु मंदसौर मो. 6261809803
पारस काचरिया मंदसौर मो. 9753374703
दिनेश परमार मंदसौर मो. 9977932674

शादी वालों जोड़ों को मुख्यमंत्री कन्यादान योजना से लाभ दिलाने का प्रयास किया जायेगा।

आलोट विधानसभा से प्रचण्ड
बहुमत से विजयश्री होने पर
डॉ. चिंतामणि मालवीय जी
को हार्दिक हार्दिक
शुभकामनायें एवं बधाई
डॉ. चिंतामणि मालवीय जी
आलोट विधायक
संजय (संजू) माली
भाजपा नगर कार्य समिति सदस्य उज्जैन
गणेश वर्मा
शुभम परमार
संजय (संजू) माली मित्र मंडली

॥ श्री कृष्णा शरणं नमः ॥
॥ श्री कृष्णा बंदे जगत गुरम ॥
(तृतीय वर्ष)
कविता दीदी के मुखारविंद से
दिनांक 6 जनवरी से 12 जनवरी 2024 तक
श्रीमद् भागवत कथा
का आयोजन
जिसमें आप सभी सादर आमंत्रित है
श्री मेहंदीपुर बालाजी सरकार
कथा वाचिका
बाल विदुषी कविता दीदी
(सारंगपुर)
कथा का समय :- दोपहर 12 से 4:00 तक
स्थान :- शिव मंदिर के पास,पंवासा मक्सी रोड,उज्जैन

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक शुभम द्वारा विधायक नगर, पंवासा मक्सी रोड, उज्जैन (म.प्र.) पिन-456010 से प्रकाशित तथा प्रियंका ऑफसेट 2/10 पिपलनाका चौराहा उज्जैन (म. प्र.) 456010 से मुद्रित ।
संपादक:- शुभम मोबाइल:- 95891-77176 (सभी वाद विवाद ओ का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)।